बिहार-झारखंड
संस्करण
वर्ष: 5
अंक: 159
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 06
Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

दैनिक बिहार पत्रिका DAINIK BIHAR PATRIKA

पटना। सोमवार, 23 दिसंबर 2024 | सम्पादक: कृष्णा टेकड़ीवाल | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

धनखड़ ने चौधरी चरण सिंह पुरस्कार 2024 प्रदान किए

नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कृषि, ग्रामीण विकास और पत्रकारिता में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए चौधरी चरण सिंह पुरस्कार 2024 प्रदान किए। उप राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में श्री धनखड़ ने चौधरी चरण सिंह पुरस्कार 2024 में कृषि, ग्रामीण विकास और पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिए विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया। नीरजा चौधरी को व्यावहारिक पत्रकारिता के प्रति समर्पण के लिए कलाम रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। जल संरक्षण में अग्रणी प्रयासों के लिए भारत के जलपुरुष डॉ. राजेंद्र सिंह को सेवा रत्न पुरस्कार दिया गया। कृषि अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए डॉ. फिरोज हुसैन को कृषक उत्थान पुरस्कार प्रदान किया गया। कृषि उत्कृष्टता में योगदान के लिए प्रीतम सिंह को किसान पुरस्कार प्रदान किया गया।इस अवसर पर केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री आज 71 हजार युवाओं को वितरित करेंगे नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त भर्तियों के लिए 71 हजार से अधिक नियुक्ति पत्रों का वितरण करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता को पूरा करने की दिशा में एक कदम है। यह युवाओं को राष्ट्र निर्माण और आत्म-सशक्तिकरण में उनकी भागीदारी के लिए सार्थक अवसर प्रदान करेगा। रोजगार मेला देशभर में 45 स्थलों पर आयोजित किया जाएगा। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के लिए भर्तियां हो रही हैं। देशभर से चयनित नए कर्मचारियों को गृह मंत्रालय, डाक विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वित्तीय सेवा विभाग सहित विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में नियुक्त होंगे।

प्रखंड कार्यालय में 27 दिसंबर को लगेगा रोजगार कैंप

नई दिल्ली

फारबिसगंज/अररिया। फारबिसगंज प्रखंड कार्यालय परिसर में आगामी 27 दिसंबर को एक दिवसीय रोजगार कैंप आयोजित किया जायेगा। इसमें फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड के फील्ड जॉब पद पर योग्य अभ्यर्थियों का आवेदन लिया जायेगा। जॉब कैंप में फ्यूजन फाइनेंस लिमिटेड भागलपुर के प्रतिनिधि द्वारा योग्य अभ्यर्थियों का चयन कर उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा जायेगा. जॉब कैंप में आने वाले बेरोजगार युवक-युवतियों के लिये अपना आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार का फोटा, निबंधन फार्म, योग्यता संबंधी प्रमाणपत्रों की छायाप्रति लेकर साथ लाना अनिवार्य होगा।

धर्म की गलत समझ और अधूरे ज्ञान के कारण अत्याचार हुए: मोहन भागवन

> अधूरे ज्ञान के कारण ही दुनिया में अधर्म फैलता है। धर्म को सही तरीके से समझाना और उसकी व्याख्या करना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है।

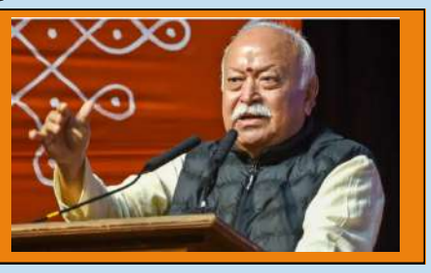

दैनिक बिहार पत्रिका

महाराष्ट्र। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत रविवार को अमरावती के महानुभव आश्रम के शताब्दी समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। यहां उन्होंने अपने संबोधन में धर्म के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया में धर्म की गलत समझ और अधूरे ज्ञान के कारण अत्याचार हुए हैं। मोहन भागवत ने कहा कि धर्म काफी महत्वपूर्ण है और इसे उचित तरीके से पढ़ाया जाना चाहिए। धर्म को समझना बेहद कठिन है, मनुष्य आसानी से नहीं समझता है। अगर कोई व्यक्ति ज्ञानी है तो उसे धर्म की सही समझ होती है, लेकिन अगर कोई अज्ञानी है तो उसे ज्ञानी द्वारा समझाया जा सकता है।इस दौरान मोहन भागवत ने अपने संबोधन में कहा, हालांकि, अधिकतर लोग ऐसे होते हैं जिन्हें धर्म का थोड़ा बहुत ज्ञान होता है और वे इस बात का अहंकार करते हैं कि उन्हें सब कुछ पता है। ऐसे लोगों को ब्रह्मा भी नहीं समझा सकते। उन्होंने आगे कहा, अधूरे ज्ञान के कारण ही दुनिया में अधर्म फैलता है। धर्म को सही तरीके से समझाना और उसकी व्याख्या करना समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, धर्म का अनुचित और अधूरा ज्ञान अधर्म की ओर ले जाता है, जिससे समाज में गलत परिपाटी और अत्याचार उत्पन्न होते हैं।र भागवत ने यह भी बताया कि धर्म को सही तरीके से समझने और उसे सिखाने का कार्य समप्रदाय करते हैं, जो समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि धर्म के नाम पर दुनिया में होने वाले सभी उत्पीड़न और अत्याचार वास्तव में धर्म को लेकर गलत समझ के कारण ही हुए हैं। मोहन भागवत ने समाज से अपील की कि धर्म को समझने की कोशिश करें और इसके सही ज्ञान को प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि धर्म के अधूरे ज्ञान की वजह से ही दुनिया में इतनी समस्याएं उत्पन्न हुई हैं।

बढ़ी ठिठुरन,कोहरे-गलन ने बढ़ाईं मुश्किलें

श्रीनगर में तापमान माइनस -3.2 डिग्री

- राजस्थान में भी ठंड का सितम जारी
- राष्ट्रीय राजधानी की हवा हुई जहरीली
- यूपी में भी पूरब से पश्चिम तक कड़ाके की सर्दी
- बादलों की आवाजाही संग बारिश के आसार

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली। उत्तर भारत में ठंड का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। रविवार सुबह दिल्ली के कई हिस्सों में कोहरा छाया रहा। यहां सुबह 5:30 बजे न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान लोग अलाव के पास बैठे देखे गए। कई लोग दिल्ली में तापमान में गिरावट के कारण रैन बसेरों में शरण लेने को मजबूर हैं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, रविवार सुबह 8:30 बजे दिल्ली के सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 7.3 और और पालम में 8.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जम्मू और कश्मीर के श्रीनगर में रविवार सुबह 8:30 बजे -3.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। भीषण ठंड के कारण डल झील की सतह जम गई है। राजस्थान में भी ठंड का सितम जारी है।तापमान में गिरावट के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित हो रहा है। आईएमडी के अनुसार, अजमेर शहर में आज सुबह कोहरा छाया रहा। यहां न्यूनतम तापमान गिरकर 11 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इस बीच राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता में सुधार नहीं आ रहा है। स्मॉग के कारण प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। पहाड़ों में हो रही बर्फबारी के चलते दिल्ली में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आज सुबह दिल्ली के आनंद विहार में 427, अशोक विहार में 430, आया नगर में 339, बवाना 432, बुराड़ी 410, आईटीओ 384, नेरेला 374, आरकेपुरम में 408 एक्यूआई दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने दिल्ली में सोमवार को हल्की बारिश के आसार जताए हैं। इससे पहले शनिवार सुबह कोहरे व स्मॉग का असर देखने को मिला। इससे सबसे अधिक परेशानी वाहन चालकों को हुई। शनिवार को सुबह साढ़े सात बजे से आठ बजे तक सफदरजंग एयरपोर्ट पर दृश्यता 200 मीटर दर्ज की गई, जबकि पालम में 600 मीटर दृश्यता रही। वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में रविवार देर रात से सोमवार के बीच बादलों की आवाजाही संग हल्की बूंदाबांदी के आसार है। रविवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बादलों की आवाजाही रही। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को पश्चिमी यूपी के आगरा,मैनपुरी आदि में और मंगलवार को बुंदेलखंड के इलाके में हल्की बूंदाबांदी के संकेत है। वहीं सोमवार के बाद प्रदेश में पुरवाई के असर से तात्कालिक तौर पर रात के पारे में उछाल देखने को मिलेगा।मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक पश्चिमी यूपी में हल्की बूंदाबादी के बाद, नए पश्चिमी विक्षोम के असर से क्रिसमस के बाद 26 से 28 दिसंबर के बीच कहीं हल्की तो कहीं मध्यम बारिश की संभावना बन रही है। पूरब से पश्चिम तक कड़ाके की सर्दी पड़ेगी।

महाकुम्भ में कॉल करते ही 30 मिनट में पहुंचेगी ऑटोमैटिक ब्लोअर मिस्ट

महाकुम्भ में इस बार स्वच्छता के लिहाज से विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने संत महात्माओं के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए भी विशेष व्यवस्था की है। यहां मच्छर और मक्खियों से पूरी तरह से निजात रहेगी। कुछ इस तरह के इंतजाम किए गए हैं कि महाकुम्भ के किसी भी कोने से बस एक कॉल करते ही 30 मिनट के भीतर ऑटोमैटिक ब्लोअर मिस्ट मौके पर पहुंचकर मच्छर और मक्खी को खत्म कर देगी। अखाड़ों और टेंट सिटी को इंसेक्ट फ्री बनाने के साथ ही स्वच्छ वातावरण के लिए बेहतर इंतजाम किए जा रहे हैं, जिसके तहत 110 अत्याधुनिक ब्लोअर मिस्ट और 107 मिनी फॉगिंग मशीन तैनात की जा रही हैं। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर महाकुम्भनगर में सफाई व्यवस्था का विशेष इंतजाम किया जा रहा है। महाकुम्भ के नोडल जॉइंट डायरेक्टर डॉ वीपी सिंह ने बताया कि महाकुम्भ के दौरान चप्पे-चप्पे पर कीटनाशक का छिड़काव किए जाने की तैयारी है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए इसके लिए 62 पल्स फॉगिंग मशीनें भी मंगवाई गई हैं। इस बार महाकुम्भ में संतों और श्रद्धालुओं की हिफाजत के लिए 78 स्पेशल ऑफिसर तैनात किए जा रहे हैं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस बार के महाकुम्भ को हर बार के कुम्भ से ज्यादा दिव्य और भव्य बनाना चाहते हैं, जिसके तहत स्वास्थ्य विभाग को इस बार विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं। मेला क्षेत्र में मलेरिया इंस्पेक्टर की तैनाती की जा रही है, जो श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखेंगे। एक एक अखाड़े में जाकर मलेरिया इंस्पेक्टर संतों और महात्माओं से बात करेंगे और मच्छर, मक्खी की समस्या का तत्काल निदान भी करेंगे।

अधिकारी रखेंगे सुविधाओं का ध्यान

मेला में वेक्टर कंट्रोल के असिस्टेंट नोडल और डीएमओ डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि महाकुम्भ में पहली बार संतों और श्रद्धालुओं की हिफाजत के लिए इतने व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। 78 स्पेशल ऑफिसर तैनात किए जा रहे हैं।श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अभी फिलहाल 45 मलेरिया इंस्पेक्टरों की तैनाती की योजना बनाई गई है। इनके अलावा 28 असिस्टेंट मलेरिया इंस्पेक्टर भी तैनात किए जाएंगे, जो साधु संतों के साथ साथ श्रद्धालुओं की भी देखभाल करेंगे। इनके अलावा 5 डीएमओ की भी अलग से तैनाती की जा रही है, ताकि महाकुम्भ में किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।

कुवैत ने प्रधानमंत्री मोदी को दिया अपना सर्वोच्च सम्मान 'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रविवार को कुवैत का सबसे बड़ा सम्मान "द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर" दिया गया है। यह पीएम मोदी को किसी देश द्वारा दिया गया 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मान है। "मुबारक अल कबीर ऑर्डर" कुवैत का एक विशेष नाइटहुड सम्मान है। यह सम्मान आमतौर पर किसी देश के प्रमुख, विदेशी शासकों और राज परिवार के सदस्यों को दोस्ती के प्रतीक के रूप में दिया जाता है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी का खाड़ी देश कुवैत की राजकीय यात्रा के दौरान वहां भव्य स्वागत किया गया तथा आज कुवैत के बयान पैलेस में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल सबाह भी मौजूद रहे।प्रधानमंत्री मोदी को खाड़ी देश की राजकीय यात्रा के दौरान आज दूसरे दिन कुवैत में भव्य औपचारिक स्वागत और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कुवैत के बयान पैलेस में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। समारोह के दौरान कुवैत के अमीर शेख मेशल अल-अहमद अल-जबर अल सबाह भी मौजूद थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुवैत के बयान पैलेस पहुंचे, जहां उनका औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कुवैत के प्रधानमंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-सबा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कुवैत के पीएम शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-सबा ने गर्मजोशी से स्वागत किया।इसके बाद उन्होंने कुवैत अमीर शेख से बात की। दोनों नेताओं ने रक्षा और व्यापार सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की। इस मौके पर दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता की जानकारी देते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि चर्चा में दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के तरीकों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया। प्रधानमंत्री ने कुवैत में भारतीय समुदाय के कल्याण के लिए अमीर के प्रति आभार व्यक्त किया।कुवैत से संबंधों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, "कुवैत के अमीर शेख मेशाल अल-अहमद अल-जबर अल सबा के साथ शानदार बैठक हुई। हमने फार्मास्यूटिकल्स, आईटी, फिनटेक, इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। हमारे देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों के अनुरूप, हमने अपनी साझेदारी को रणनीतिक स्तर तक बढ़ाया है और मुझे उम्मीद है कि आने वाले समय में हमारी दोस्ती और भी मजबूत होगी।"इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कुवैत में एक श्रमिक शिविर का दौरा किया। पीएम मोदी ने कुवैत के मीना अब्दुल्ला क्षेत्र में गल्फ स्पिक लेबर कैंप का दौरा किया, जिसमें लगभग 1,500 भारतीय नागरिक कार्यरत हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने श्रमिकों से बात की।

एक नज़र इधर भी

रंजीत को मिली विद्यापतिनगर प्रखंड जदयू की कमान, कार्यकर्ताओं में हर्ष

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। जनता दल यूनाइटेड ने रंजीत कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह को विद्यापतिनगर प्रखंड का अध्यक्ष मनोनीत किया है। लम्बे समय तक प्रखंड में जदयू की कमान संभालने वाले निवर्तमान प्रखंड अध्यक्ष हरेश प्रसाद सिंह की बीते 15 नवम्बर को असामायिक निधन के बाद से प्रखंड अध्यक्ष का पद रिक्त था। रंजीत कुमार सिंह को पार्टी का अध्यक्ष बनाए जाने की सूचना से कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। प्रखंड के मऊ धनेशपुर उत्तर पंचायत के मिर्जापुर गांव निवासी रंजीत कुमार सिंह उर्फ टुनटुन सिंह वर्तमान में पंचायत के सरपंच के साथ प्रखंड सरपंच संघ के अध्यक्ष भी है। वे बेहद गंभीर, सौम्य और सरल स्वभाव के है। जानकार बताते हैं कि श्री सिंह के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट रखने तथा सबको साथ लेकर चलने की होगी।

सिंघिया के थानाध्यक्ष को समस्तीपुर एसपी ने किया निलंबित

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर । सिंघिया थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह को कार्य में लापरवाही बरतने के आरोप में एसपी अशोक मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक फरियादियों की एफआईआर समय से दर्ज नहीं होने की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए इसकी जांच करायी और जांच रिपोर्ट आने के बाद थानाध्यक्ष के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई कर दी।एसपी ने एफआईआर दर्ज करने में विलंब करने एवं लचर कार्यशैली पर संज्ञान लेते हुए सख्त कार्रवाई करते हुए थानाध्यक्ष विशाल कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि इधर, एसपी के द्वारा लागतार दो थानाध्यक्षों के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई को लेकर पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। दो दिन पहले ही सरायरंजन थानाध्यक्ष को भी एसपी ने निलंबित कर दिया था।

मुक्तापुर डबल मर्डर कांड के खिलाफ भाकपा माले ने निकाला विरोध मार्च

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर/मुक्तापुर डबल मर्डर कांड के खिलाफ हत्यारे की गिरफ्तारी, मृतक के परिजनों को 25-25 लाख रूपये मुआवजा देने, बढ़ते हत्या-अपराध पर रोक लगाने की मांग को लेकर भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने विरोध मार्च निकालकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पूतला दहन किया। बड़ी संख्या में भाकपा माले कार्यकर्ता शहर के मालगोदाम चौक स्थित जिला कार्यालय पर ईकट्ठा होकर अपने-अपने हाथों में मांगों से संबंधित तख्तियां, झंडे, बैनर लेकर आक्रोशपूर्ण नारे लगाकर बाजार क्षेत्र के मुख्य मार्गों का भ्रमण करते हुए मार्च स्टेशन चौक पहुंचकर सभा में तब्दील हो गया।सभा की अध्यक्षता करते हुए जिला सचिव उमेश कुमार ने किया। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य बंदना सिंह ने कहा कि शनिवार को मुक्तापुर में गुदरी बाजार निवासी विजय गुप्ता एवं उजियारपुर के रामकृष्णपुर डढ़िया असाधर निवासी दिव्यांग टोटो चालक गणेश सहनी की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। ताजपुर के रामापुर महेशपुर में दो लोगों को गोली लगी। जिले में लगातार हत्या- अपराध का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। भाजपा-जदयू की सरकार के संरक्षण में अपराधी-माफियाओं-दलाल-विचौलिया का मनोबल बढ़ा हुआ है। अधिकारी- पुलिस आम आदमी के बनिस्पत थाने पर, अंचल में अपराधियों के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। यही कारण है कि अपराधी बेखौफ होकर हत्या- अपराध की घटना को अंजाम दे रहे हैं।अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिला सचिव उमेश कुमार ने डबल मर्डर कांड के हत्यारे को अविलंब गिरफ्तार करने, मृतक के परिजनों को 25-25 लाख रूपये मुआवजा देने, बढ़ते हत्या-अपराध पर रोक लगाने की मांग की। अंत में बढ़ते हत्या-अपराध रोकने में विफल बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पूतला फूंक कर विरोध किया गया। मौके पर भाकपा माले जिला कमिटी सदस्य सुरेंद्र प्रसाद सिंह, जीबछ पासवान, उपेंद्र राय, रामचंद्र पासवान, जयंत कुमार, ललन कुमार, प्रमिला राय, रंजीत राम, डा० खुर्शीद खैर, वीरेंद्र शर्मा, संजीत पासवान, शिव कुमारी देवी, डा० प्रभात कुमार, डा० सुरेंद्र सुमन, अमलेंदू कुमार, दशरथ राम, रामबली राय, सुनील कुमार राय, आरती कुमारी समेत अन्य दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संतवाणी:भारतीय परम्परा में सत्यमेव जयते है प्रसिद्ध : संत

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। छातापुर प्रखंड मुख्यालय बाजार स्थित मिडिल स्कूल परिसर में शनिवार से आयोजित तीन दिवसीय सद्गुरु कबीर विराट सत्संग के दूसरे दिन रविवार को दूसरे सत्र के सत्संग का आयोजन 2 बजे से किया गया। एक घंटे के अपने प्रवचन के दौरान नेपाल से आए मुख्य अतिथि विश्व कबीर विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष आचार्य संत मनमोहन साहेब ने कहा कि जिस तरह भारतीय परम्परा में सत्यमेव जयते प्रसिद्ध है। वैसे ही वेदों में भी मुल मन्त्रं सत्यंम परमं धीं महीं वर्णित है जो मनुष्य मानव जीवन में सनातन संस्कृति को धारण करेंगे उन मनुष्य को त्रैंयताप देहीक देवीक भौतीक कष्ट से छुटकारा मिल जाएगा। कहा की वैसे ही मानव का बार बार चौरासी लाख योनियों में पुनर्जन्म नहीं होगा। मानव रूपी तन को सफल बनाने हेतु भक्ति भजन करने की आवश्यकता है। इसके तहत चौरासी लाख योनियों में श्रेष्ठ मानव योनि मिलना तय है। उन्होंने कहा की सन्त के संग को सत्संग कहा गया है। वैसे महापुरुषों निर्मल साधु सन्तों महन्थो गुरुजनों का जीवन में कभी कभी सोयाग्य से दर्शन मिलते हैं जो आज मिला है। बताया की मानवता का पालन हार नारी शक्ति है। नारी से नारायण कि उत्पत्ति हुई है। इसलिए समाज में देवी के साथ भेद भाव उच्च निच का वार्तालाप करने से घर समाज नर्क मय हो जाता है सभी दीक्षा मन्त्रं एवं उपदेश ले कर सुन्दर सभ्य जीवन जिने के लिए दृढ़ संकल्पित हो जाएं। कहा मीरां बाई ने झुम झुम कर गुरु जी के द्वारा दी गई नाम रत्न धन पायो जी का रसास्वादन किये। वैसे भक्ती रस में भिगे सज्जन सन्तों का अगर संग मिलें तो तरण ओर तारण हों सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने सत्य सनातन संस्कृति के हीरे मोती सन्त गुरुजन बिखराये गली गली..भजन की प्रस्तुति दी। रामस्वरूप दास, ध्यानी दास साध्वी राधा रानी के द्वारा भजन गायन में सहयोग दिया गया। अररिया के संत शैलेन्द्र दासने कहा कि कबीर साहब लोगों को भक्ति भजन से जुड़ने की बात कहकर सदमार्ग दिखानें का कार्य किया। उन्होंने कहा कि कबीर साहब समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को मिलकर भक्ति भजन करने के लिए भी प्रेरित करने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि कबीर साहब की वाणी प्रांसगिक है । उनके वाणी को अपनाकर चलने से मानव को सदमार्ग पर चलने का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि आज रूपये पैसे और पक्का मकान बनाने की चाहत में लोग भक्ति भजन और बड़ों का आदर करना भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि जन्म देने वाले माता पिता को दुःख देने वालों को कभी ख़ुशी नहीं मिल सकती है। इस लिए सभी को अपने माता पिता समेत बड़ों का आदर करने की जरुरत है। उन्होंने मानव को नशा, चोरी, हेराफेरी, ईर्ष्या, लोभ आदि से बचने की बात कही । प्रवचन कार्यक्रम को अयोधी बाबा (परसाही), जयदेव स्वरूप साहेब (मानगंज) आदि ने भी संबोधित किया। मौके पर रामदेव साहेब (परसा तिलाठी), सहदेव साहेब (सिमनी घाट), बेदानंद साहेब, रामचंद्र साहेब, उपेंद्र साहेब (हसनपुर), रामानंद साहेब (प्रतापगंज), रंजीत ब्रहमचारी (फत्तेपुर), सीताराम दास, जनार्दन दास (डहरिया), साध्वी प्रमिला (राजगांव), घुरन दास, रामपैत दास आदि समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु नर नारी थी।

देश के कलाकारों के स्वागत में तैयार है रेल पुलिस अकस सदस्यों के साथ रेल पुलिस ने की बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी/रोहतास। देश की चर्चित नाट्य व सांस्कृतिक संस्था अभिनव कला संगम द्वारा आयोजित होने वाले आल इंडिया लघु नाटक सह सांस्कृतिक प्रतियोगिता मे रेल पुलिस हर संभव सहयोग करेगी। उक्त बातें आरपीएफ इंस्पेक्टर राम विलास राम ने अपने कार्यालय मे अभिनव कला संगम सदस्यों के साथ रविवार को बैठक मे कही। उन्होंने कहा कि डेहरी जैसे शहर मे इतने बड़े नाट्य प्रतियोगिता व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रोहतास जिला ही नहीं बिहार के लिए गौरव कि बात है। जहां देश के विभिन्न प्रांतों से कालाकार जिले मे आकर अपना प्रदर्शन करेंगे। अध्यक्ष कमलेश

कुमार द्वारा जानकारी दी गई कि पांच दिनों के नाट्य महोत्सव मे देश के 13 राज्यों के करीब चार सौ महिला, पुरुष व बाल कलाकार भी भाग लेंगे।

संस्था के इतिहास मे पहली बार सबसे अधिक राज्यों से सबसे अधिक नाट्य टीमें भाग लेंगे। चार दिनों तक नाट्य प्रतियोगिता के बाद पांचवें दिन 30 दिसंबर को विभिन्न राज्यों कि नाट्य टीमें अपने- अपने परीधानो मे शहर मे भव्य शोभायात्रा निकालेंगे। दूरभाष पर आरपीएफ कमांडेंट जतिन बिराज ने कहा कि समारोह के लिए रेल यात्रा करने वाले देश के विभिन्न कलाकारों को स्टेशन परिसर में सुरक्षा के सभी व्यवस्था किए जाएंगे। सभी प्रदेशों से आने वाले कलाकारों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो। इसके लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। रेल पुलिस- प्रशासन परिवार भी बिहार की धरती पर आने वाले देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों का बैनर लगाकर व अन्य माध्यम से स्वागत करेगी। रेल प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने कहा कि ट्रेन से आनेवाले यात्रियों के लिए रेल पुलिस - प्रशासन की ओर से सुरक्षा के साथ साथ स्टेशन परिसर की पूर्ण साफ सफाई, मेडिकल समेत अन्य व्यवस्थाएं की जाएगी।

बैठक में रेल स्टेशन अधीक्षक जे के सिंह, जीआरपी एसआई मंडल,अकस अध्यक्ष कमलेश कुमार,सचिव विनय मिश्रा, निर्देशक कौशलेंद्र कुशवाहा,कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, मुकुल मणि शामिल थे।

मोहिउद्दीननगर विधानसभा की विकास ही हमारी प्राथमिकता -विधायक राजेश कुमार सिंह

समस्तीपुर।शाहपुर पटोरी-मदुदाबाद मुख्य सड़क का नंदनी से हनुमाननगर तक चौड़ीकरण की स्वीकृति मिलते ही टीम क्षेत्र लोगो मे हर्ष है। इस सड़क का चौड़ीकरण करने मे लगभग 40 करोड़ रूपये की लागत आएगी। जिसका टेंडर भी हो चुकी है। बताया जाता है कि इस सड़क से प्रत्येक दिन सैंकड़ो वाहन का आवागमन होती है। इस संकीर्ण सड़क पर रोज दिन जाम लगती है। जिससे लोगो को अब छूटकारा मिलेगी। इस संदर्भ जानकारी देते हुए विधायक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आवागमन से लेकर स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वावलंबन संबंधी सुविधाएं सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रो मे योजनाबद्ध तरीकों से विकास की जा रही है। वही बस्ती रेलवे ढाला से फकीर तकिया, चकला से कुरसाहा बल्ला, मोहनपुर कॉलेज गेट से बघड़ा बाजार तक अनेक वर्षों तक उपेक्षित सड़कों का निर्माण कार्य कराया गया. विधानसभा की पचास सड़कों को आरडब्लूडी के तहत समाहित करने में कामयाबी मिली। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र चौहान, लालबाबू पासवास, कुंदन पासवान, गनौर पासवान मौजूद थे।

एथलेटिक्स खेलकुद प्रतियोगिता का आयोजन

गोगरी । जिला स्टार एथलेटिक्स खेलकुद प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय हाई स्कूल के मैदान गोगरी जमालपुर में किया गया जिसमेंपूरे जिले के हजारों एथलीटों ने भाग लिया 100 मीटर 200 मीटर 400 मीटर 800 मीटर 1500 मीटर 3000 मीटर 5000 मीटर लंबा जैब शॉट पुट आन्या प्रतियोगिता करवाया गया जिसमें 37 सफल प्रतिभागिता को राज्य स्तरीय के प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया है और उसे सभी को मेडल सर्टिफिकेट से सम्मानित भी किया गया है प्रतियोगिता के सफल आयोजन में राकेश कुमार शर्मा स आयोजक सचिव कुर्मी टोला निवासी रितेश कुमार का बहुत बड़ा योगदान रहा जिसमें जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव प्रिंस कुमार और जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के कोच रवि रोशन कुमार और तकनीकी पदाधिकारी के तौर पर नीतीश कुमार रणधीर कुमार नीरज कुमार सर्जन सचिन कुमार जिला दिव्यांग समिति के अध्यक्ष पवन कुमार। और राजकीय खिलाड़ी कविता कुमारी एवं संजय कुमार संजीव रामानंद कुमार धनिक लाल दास विजय सिंहा किशोर कुमार।

बैठक: भाकपा अंचल परिषद की हुई बैठक

दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। छातापुर प्रखंड मुख्यालय बाजार स्थित धर्मशाला प्रांगण में भाकपा अंचल परिषद की बैठक रविवार को हुई।जिसकी अध्यक्षता भाकपा नेता कामरेड बेचन सिंह ने की। बैठक में पार्टी नवीकरण पर सबसे पहले जोर दिया गया। इसके साथ ही केंद्र सरकार के आर्थिक नीतियों की आलोचना की गई। वहीं जन समस्याओं को दूर करने में उदासीन रवैया रहने तथा गरीब कल्याण की योजनाओं के कृयान्वयन की शिथिलता पर सरकार को कोसा गया। भाकपा अंचल सचिव रघुनंदन पासवान ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण ही महंगाई चरम पर पहूंच गया है। बेरोजगारों की फौज भी दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। देश में सरेआम अपराध और भ्रष्टाचार का बोलबाला हो गया है और अधिकांश सरकारी दफ्तर विचौलिया व दलालों के चंगुल में है। जिसके कारण पीड़ित एवं वंचित लोगों को कहीं भी न्याय नहीं मिल रहा है। गरीब, मजदूर, किसान व महिलायें सबसे ज्यादा उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। कहा कि केंद्र सरकार ने कारपोरेट घरानों के सामने दोनो घूटना टेकने का कार्य किया है। ऐसे 28

कंपनियों को पहले अरबों रुपए का कर्ज दिया फिर उसे माफ कर दिया गया। नोटबंदी और जीएसटी लागु करके कारपोरेट घरानें को लाभ पहूंचाया गया। रेलवे, हवाई अड्डा जैसे सरकारी संस्थानों को नीजि हाथों में सौंपने का खेल तीव्र गति से चल रहा है। कहा की एनडीए की सरकार के जन विरोधी नीति के कारण अपराधिक घटनाएं भी काफी बढ़ रही है। बिहार के सीएम नीतीश कुमार केवल कुर्सी कुमार बनकर बैठे है। भूमि सुधार हेतु कानून को भी उनके द्वारा लागू नहीं किया गया है। 15 लाख गरीबों को देकर उनकी गरीबी मिटाने का वादा मोदी जी का झूठा और छलावा साबित हुआ है। बैठक में भूमि विवाद को दूर करने, भूमिहीनों को बसाने, जल नल योजना के नाम पर सरकारी राशि की लूट तथा शराबबंदी कानून की विफलता सहित केंद्र सरकार के गलत नीतियों एवं विभिन्न मुद्दों को लेकर आगामी 30 दिसंबर को प्रखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। मौके पर कामरेड जगदेव यादव, बुचाय यादव, प्रभु सिंह, रामेश्वर सिंह, सूबे लाल सिंह, श्याम किशोर सिंह, दीपेश सिंह, राम विलास सादा, अनमोल यादव, सुरेंद्र सरदार, बेचन सिंह आदि थे।

मोबाइल की लालच देकर नौ साल की बच्ची से रेप, पुलिस ने 24 घंटे में आरोपी युवकों को किया गिरफ्तार

सुपौल : जिले के त्रिवेणीगंज थाना अन्तर्गत नाबालिग नौ साल की बच्ची से रेप मामले में त्रिवेणीगंज थाना प्रभारी रामसेवक रावत ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे में आरोपी को गिरफ्तार कर उन्हें जेल भेज दिया है, इस कार्रवाई से त्रिवेणीगंज थाना प्रभारी रामसेवक रावत की जमकर तारीफ हो रही है,पुलिस ने पीड़ित बच्ची के परिजन की शिकायत पर मामला दर्ज किया था ,रिश्ते में भाई लगने वाले दरिंदे ने इस घटना को अंजाम दिया था, आरोपी दरिंदों ने मोबाइल का लालच देकर बच्ची के साथ गलत काम किया था,उस दौरान पीड़िता अपने बुआ के घर में अकेली थी, साथ ही दरिंदों ने बच्ची को जान से मारने की धमकी दी, उसने बच्ची से कहा था कि किसी को इस बारे में कुछ भी बताया तो काटकर नदी में फेंक दूंगा, बताया जाता है कि पीड़ित बच्ची के जन्म के दो महीने बाद ही उनकी मां की मौत हो गई थी, पिता सतेली मां के साथ सहरसा में रहते हैं जबकि बच्ची अपने बुआ के साथ रहती है बुआ के यहा ही उसकी परवरिश हुई, घटना के दिन बच्ची बुआ सहरसा गई थी, बच्ची को घर मे अकेली देख उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी युवक अखिलेश कुमार ने लड़की को जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया और उसे मुंह बंद रखने की हिदायत दी, जिसके चलते पीड़ित लड़की डर से यह बात घर मे किसी

को नहीं बताया। घटना के एक दिन बाद लड़की के प्राइवेट पार्ट से ब्लड निकलते देख घरवालों को यह बात पीड़ित लड़की से पूछने पर मालूम हुई। जिसके बाद गाँव मे पंचायत के माध्यम से इस मामले की हल करने की कोशिश की गई। लेकिन आरोपी पक्ष बात को अनसुनी कर दिया। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई, मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित लड़की को इलाज के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच में जुट गई थी। जानकारी मिलते ही डीएसपी बिपिन कुमार खुद बच्ची के फुआ के घर पर पहुंच कर मामले की जानकारी लिया, इस बाबत त्रिवेणीगंज थाना प्रभारी रामसेवक रावत ने बताया कि इस मामले में पीड़ित लड़की के फुआ के आवेदन पर आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कांड संख्या 545/24 दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तार हेतु छापेमारी की जा रही थी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.आगे की कार्रवाई की जा रही है,पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है.

एक नज़र इधर भी

सहज और मृदु स्वभाव के लिये हमेशा याद किये जाएंगे पं कन्हैयालाल मेहरवार

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। रविवार को विष्णुपद मार्ग स्थित राजस्थान भवन में महारानी अहिल्याबाई होल्कर विचार मंच की ओर से मंच के अध्यक्ष रहे कन्हैया लाल मेहवार के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है।उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। इसके साथ ही दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई है। मंच के संरक्षक स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य के सानिध्य एवं मंच के अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद प्रेमी की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ है। कवि सुरेंद्र पांडेय सौरभ ने अपनी मार्मिक गीतों से कन्हैया बाबू को काव्यांजलि दी। अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंच के अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद प्रेमी ने कहा कि मेहवार जी मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका चले जाना मगही साहित्य के लिए अपूरणीय क्षति है,जिसकी भरपाई निकट भविष्य में असंभव है। मंच के संरक्षक स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज ने कहा की कन्हैया बाबू सद्भावना के प्रतिमूर्ति थे। उनसे हमारा गहरा लगाव था। उनके निधन से व्यक्तिगत क्षति हुई है। भले ही पंच भौतिक शरीर चले गए हो लेकिन उनकी स्मृतियां हमेशा हम सबके बीच अनंत काल तक रहेगी। राजन सिजुआर ने कहा की कन्हैया बाबू के अप्रकाशित गीतों को प्रकाशित कराया जाए तभी उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। डॉ रश्मि ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा करते हुए कहा कि उनका आकस्मात निधन गया के साहित्यिक समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। वे हम सबो के बीच हमेशा रहेंगे। मणिलाल बारिक ने कहा कि सभी संस्थाओं से जुड़कर साहित्य की सेवा की है। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर इनके अप्रकाशित कृतियों को प्रकाशन करने का निर्णय लिया है।इस अवसर पर संरक्षक स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य जी महाराज, देवनाथ मेहरवार,राजन सिजुआर,डॉ राम सिहांसन सिंह, कुमरकांत, डॉ रामकृष्ण मिश्र, मणिलाल बारीक, अनिल स्वामी,अनंत धीश अमन,डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी, प्रदुमन कुमार सिंह,सुदर्शन शर्मा, रामस्वरूप विद्यार्थी,स्वर्ण किरण मिश्रा, जॉनी यादव,ऋषिकेश गुर्दा, सुरेंद्र पांडेय सौरभ, रामकुमार बारिक, सरिता त्रिपाठी, सरिता सिंह, अर्पणा मिश्रा, सविता देवी, काजल कुमारी, मीडिया प्रमुख अश्वनी कुमार समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्षों की हुई बैठक,कई मुद्दों पर हुई चर्चा

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर । मोहिउद्दीन नगर प्रखंड क्षेत्र के कुरसाहा पैक्स भवन के प्रांगण में नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्षों की बैठक आयोजित हुई.जिसकी अध्यक्षता कुरसाहा पंचायत के पैक्स अध्यक्ष नक्कू राय एवं संचालन पैक्स अध्यक्ष राणा संजीव सिंह ने किया. बैठक में सर्वप्रथम नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्षों की परिचय उपरांत प पैक्स अध्यक्ष नक्कू राय एवं प्रबंधक मुकेश कुमार ने नव निर्वाचित पैक्स अध्यक्ष को फुल माला पहनाकर स्वागत किया. एवं बैठक में मोहिउद्दीन नगर पैक संघ का पूर्ण गठन भी किया गया जिसमें सर्वसम्मति से भदैया पंचायत के पैक्स अध्यक्ष हेमंत चौधरी को मोहिउद्दीन नगर पैक्स अध्यक्ष संघ का अध्यक्ष एवं तेतारपुर पंचायत के पैक्स अध्यक्ष अनिल राय को सचिव नियुक्त किया गया.एवं उपस्थित पैक्स अध्यक्षों ने व्यापार मंडल कार्यालय का चलाने की निर्णय भी लिया है.वही धान अधिप्राप्ति को लेकर प्रखंड में सभी क्रियाशील पैक्स अध्यक्षों ने विचार विमर्श किया ताकि किसानों को सरकारी समर्थन मूल्य का लाभ सत प्रतिशत मिल सके.इस बैठक पैक्स अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह उर्फ दीपू सिंह विनोद सिंह,जितेंद्र सिंह अभिजीत कुमार सोनू,अनिल राय , शाका कुमार उर्फ चुन्नू झा,राम उदगार राय ,अजय सिंह ,राकेश कुमार,मुकेश कुमार आदि मौजूद थे।

पढी लिखी बहुओं को सांस ससुर चुप अंगीठियां - रामकृष्ण

गया।पढी -लिखी बहुओं सी घर आई धूप,सास- ससुर -सी चुप अँगीठियाँ हुईं।।
अलगनी टँगे पिंजड़े का मिट्ठू राम एक टाँग बेचारा रटता है नाम।
हरख उठे तुलसीदल परस किरन गात,भाप भरी मुह बाली बोलियाँ हुईं।।
छानी से लटक रहे धान गुच्छ पास गौरैयो की फुदकन बढ़ा रही आश ।
उपह गये छत पर जो पसरे थे सीप आँगन की देह मधुर बाटियाँ हुईं।।
चौखट से झाँक रही सजी- धजी कोठरी,खड़ी रही मानवती चुप-चुप ज्यों बावरी।
चिपरी के बहाने पडोसिन् का आना,पास के शिवालय की मुखर घंटियाँ हुईं।।
ढीठ नयी -नयी चढ़ी स्वयं ही अटारी ऊष्मा की खोल रही साथ की पिटारी।
ओटे पर सिहर रही धान की चटाई।भावी के अंदेशे कोठियाँ हुईं।।

डायट रामबाग, मुजफ्फरपुर के द्वारा निर्मित डिजिटल कोर्स प्रारंभिक पठन 1 दीक्षा ऐप पर हुआ लॉन्च

दैनिक बिहार पत्रिका

गया।जिला शैक्षणिक सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद पटना के निर्देशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट रामबाग मुजफ्फरपुर के द्वारा वर्ग 1 से 5 के बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक एवं शिक्षिकाओं के लिए डिजिटल कोर्स प्रारंभिक पठन-1 का शुभारंभ शनिवार को दीक्षा एप पर संस्थान की प्रभारी प्राचार्य अनामिका कुमारी, संस्थान की वरीय व्याख्याता डॉ. सरिता शर्मा, व्याख्याता डॉ. मीरा कुमारी, दिपिंती कुमारी, रोली, सुजीत कुमार, डॉ. निर्मल कुमार, राकेश सिन्हा एवं जिला तकनीकी दल के सदस्य केशव कुमार एवं पप्पू कुमार पंकज ने संयुक्त रूप से किया है। डायट रामबाग, मुजफ्फरपुर की प्रभारी प्राचार्य अनामिका कुमारी ने कहा कि डिजिटल कोर्स प्रारंभिक पठन 1 मुजफ्फरपुर जिले की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए दीक्षा टीम के सदस्य व्याख्याता सह कोर्स क्रिएटर सुजीत कुमार, व्याख्याता सह कोर्स रिव्यूवर दिपिंती कुमारी, व्याख्याता सह कोर्स मेंटर मीरा कुमारी, इ कंटेंट निर्माण में जिले के मुरौल प्रखण्ड स्थित बुनियादी विद्यालय के शिक्षक केशव कुमार, प्राथमिक विद्यालय धर्मागतपुर की शिक्षिका अंजली कुमारी, मोतीपुर प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय थतिया के शिक्षक पप्पू कुमार पंकज, उत्क्रमित मध्य विद्यालय बरियारपुर की शिक्षिका निवेदिता रानी, बंदरा प्रखण्ड स्थित प्राथमिक विद्यालय मोहनपुर के शिक्षक नवीन कुमार, ह्यूमना पीपल टू पीपल के जिला समन्वयक धीरज कुमार शर्मा एवं आईपीईएल के जिला प्रतिनिधि राहेला प्रवीन का सराहनीय योगदान रहा है। जिला तकनीकी दल के सदस्य मुरौल प्रखंड स्थित बुनियादी विद्यालय बखरी के शिक्षक केशव कुमार ने कहा कि दीक्षा एप पर लॉन्च प्रारंभिक पठन 1 डिजिटल कोर्स के माध्यम से प्राथमिक कक्षा के बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक एवं शिक्षिका वर्ण की पहचान, मात्राओं की समझ एवं शब्द निर्माण की बारीकियों को बेहतर ढंग से समझ पायेंगे। इस डिजिटल कोर्स को दीक्षा ऐप पर जिले के शिक्षक एवं शिक्षिका 15 जनवरी तक पूर्ण करना अनिवार्य है। जिला तकनीकी दल के सदस्य मोतीपुर प्रखण्ड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय थतिया के शिक्षक पप्पू कुमार पंकज ने कहा कि इस कोर्स को अधिकतम तीन प्रयास में 70 प्रतिशत अंकों के साथ पूर्ण करने के उपरांत ही शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को डायट रामबाग मुजफ्फरपुर की प्रभारी प्राचार्य अनामिका कुमारी एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी मुजफ्फरपुर अजय कुमार सिंह के संयुक्त हस्ताक्षर युक्त प्रमाण पत्र दीक्षा एप पर दिया जाएगा। दीक्षा ऐप पर इस डिजिटल कोर्स प्रारंभिक पठन 1 को पूर्ण करने में यदि जिले के किसी भी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को यदि किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न होगी तो वे सर्वप्रथम अपने-अपने प्रखंड के प्रखंड तकनीकी दल के सदस्यों से एवं विशेष परिस्थिति में जिला तकनीकी दल के सदस्य केशव कुमार के व्हाट्सएप नंबर 8969900475 एवं पप्पू कुमार पंकज के व्हाट्सएप नंबर 8709472011 पर संपर्क स्थापित कर सकते हैं।

रेलवे ट्रैक के पास मिला युवक का शव फैली सनसनी

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर जिले के वारिसनगर थाना क्षेत्र के एक टेंट कारोबारी की हत्या कर शव को रेलवे लाइन किनारे फेंक दिया गया। कारोबारी की पहचान रामपुर विशुन पंचायत के माधोपुर वार्ड संख्या-1 निवासी रामसागर राय का 40 वर्षीय बेटा संजय कुमार राय के रूप में की गई।घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों ने कहा कि संजय शनिवार शाम खेत पटवन कर घर आया था। करीब 8 बजे रात में उसके मोबाइल पर किसी का फोन आया। जिसके बाद वह घर से निकला था, लेकिन वो रात में नहीं लौटा। रात भर खोजबीन करते रहे, लेकिन कुछ पता नहीं चला।लेकिन रविवार के अहले सुबह सूचना मिली कि घर से करीब एक किलोमीटर दूर समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड स्थित माधोपुर- धनहर गुमती के बीच रेल लाइन किनारे एक शव पड़ा हुआ है। परिवार के लोग जब मौके पर पहुंचे तो देखा कि शव संजय का था। बॉडी कई जगह जख्म का निशान मिले हैं। देखने से ऐसा प्रतीत होता है की हत्या कर शव को फेंक दिया गया है।मृतक के चचेरे भाई राजीव कुमार ने कहा कि मेरा भाई के परिवार की एक सदस्य के साथ विजय राय के बेटे ने अभद्र व्यवहार किया था। विजय के घर पर जाकर शिकायत की थी। इसके बाद उसे जान से मारने की धमकी दी गई थी।इस घटना के पीछे के उस वारदात को भी जोड़कर देखा जा रहा है।सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष निरंजन कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामले की छानबीन में जुट गए। शव के पास मृतक का मोबाइल पुलिस ने बरामद की है।सदर डीएसपी-2 विजय महतो ने कहा कि शव जब्त कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। मामला हत्या का प्रतीक हो रहा है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। अभी परिवार के लोगों ने आवेदन नहीं दिया है।

मृतक के परिजनों से मिले जनसुराज नेता राजकपुर सिंह

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। मोहिउद्दीन नगर प्रखंड के तेतारपुर पंचायत के नारायानपुर गावं में रविवार को जन सुराज के प्रांतीय नेता राज कपूर सिंह पहुंचे। जहाँ मृतक के परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। ज्ञात हो कि नारायणपुर गांव के कदमु सहनी का 40 वर्षीय पुत्र मुकेश सहनी का मछली मारने के दौरान जाल मे फंसकर बाया नदी मे शनिवार को मौत हो गई थी। मौके पर सुरेन्द्र पासवान, राजेश राय, बालेश्वर सहनी, राम दयाल सहनी, गप्पू सहनी, श्रवण सहनी, बिजली सहनी, विकाश राय आदि लोग थे।

पटेढ़ी बेलसर प्रखंड के सभी नौ पंचायत में विशेष कैंप आयोजित किया गया

दैनिक बिहार पत्रिका/वैशाली

प्रशासन गांव की ओर अभियान अंतर्गत पटेढ़ी बेलसर प्रखंड के सभी नौ पंचायत में विशेष कैंप आयोजित किया गया। इस विशेष कैंप का उद्देश्य सुशासन की अवधारणा को और सशक्त करते हुए आम जनों की शिकायतों का उनके गांव में ही समाधान करना। प्रशासन गांव की ओर अंतर्गत विशेष कैंप के नोडल पदाधिकारी विभिन्न प्रखंडों के प्रखंड विकास पदाधिकारी हैं तथा उनके साथ सभी विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी प्रतिनियुक्ति किए गए हैं, जिससे की ग्रामीण जनों की शिकायतों का यथा संभव निदान उनके गांव में ही हो जाए। आज प्रभारी जिला पदाधिकारी सह एडीएम श्री विनोद कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त श्री कुंदन कुमार और जिला जन संपर्क पदाधिकारी श्री नीरज के साथ कई जिला स्तरीय पदाधिकारियों ने भी कई गांव का भ्रमण किया और आम जनों की शिकायतों को सुना तथा तत्काल निवारण कराया। आज कुल 159 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से कुल 106 आवेदनों का निष्पादन स्थानीय स्तर पर ही कर दिया गया।

बरेटा पंचायत सचिव के द्वारा अवैध पैसा वसूली को लेकर ग्रामीणों ने वीडियो को किया लिखित शिकायत

दैनिक बिहार पत्रिका

सेमापुर/ कटिहार। सेमापुर के बरेटा पंचायत सचिव के द्वारा ग्रामीण मजदूर किसान से बंशावली, राशन कार्ड, मुत्यु प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र कार्यों के लिए अवैध पैसा मांग करने को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी बरारी को ग्रामीणों ने शिकयत किया है। वही दिया गया आवेदन में कहा गया है बंशावली, राशन कार्ड, मुत्यु प्रमाण पत्र, जन्म प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर रुपया का मन किया जाता है। वही नूरूल अंसारी,जुबेदा खातून,अजय कुमार चौधरी ने पंचायत सचिव मिथिलेश कुमार के द्वारा मनमाने ढंग से पचायत कार्यालय खोलता है कभी ग्रामीणों को बलॉक बुलाता है। ग्रामीणों परेशान रहता है और किसी भी योजना के बारे में किसी प्रकार की जानकारी नहीं दी जाती है जिससे यहां के आम ग्राम वासीयों को मुल भुत सुविधाओं से वंचित होना पढ़ता है साथ ही पंचायत के निर्माण कायों को ठेकेदारीयों द्वारा करवाया जा रहा है। ग्रामीणों ने पंचायत सचिव को हटाया जाए और योग्य सचिव को पदस्थापन करने की मांग किया है।

बीरोंखाल जिला निर्माण एवं जन विकास समिति देहरादून की मांग पर वार्षिक बैठक आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका

गया।बीरोंखाल जिला निर्माण एवं जन विकास समिति की वार्षिक बैठक राजधानी वेडिंग पॉइंट, शास्त्री नगर लेन नंबर 3 में संपन्न हुई है। इस बैठक में समिति के प्रमुख सदस्यों ने बीरोंखाल को जिला बनाने की मांग और क्षेत्र के विकास के लिए ठोस कदम उठाने पर चर्चा की गई है।इस बैठक के मुख्य वक्ता* इस अवसर पर राजेश कंडारी, रघुवीर सिंह बिष्ट, पान सिंह बिष्ट,डॉ अरूण ढौंढियाल सतीश धिल्डियाल, मोहन सिंह कंडारी, महिपाल सिंह कंडारी, भूपेंद्र सिंह रावत, यशपाल तोमर, प्रेम सिंह रावत, मनवर सिंह नेगी, कर्नल एसपीएस नेगी, हरिमोहन सिंह रावत, सुरेंद्र नौटियाल आदि ने अपने विचार रखे।

मुख्य प्रस्ताव और चर्चाएं
जिला निर्माण की मांग:
जनपद पौड़ी को तीन भागों में विभाजित कर बीरोंखाल को जिला मुख्यालय बनाने का प्रस्ताव। पांच ब्लॉकों के प्रस्ताव शासन को भेजे गए हैं।जिसमें मुख्यालय बीरोंखाल में बनाने के प्रस्ताव पारित है

विकास और सुविधाओं की कमीः
क्षेत्र में कानून व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की कमी।
राजकीय महाविद्यालय बेदीखाल में भौतिक विज्ञान और गणित के शिक्षकों के पद सृजन के लिए मांग स्वीकृत न होने के कारण RTI लगाई गई है
स्यूंसी बंगार झील निर्माण त्वरित गति से करने और छांछिरौ व गुजडू गढी को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की आवश्यकता।

पलायन और कृषिः
आज उत्तराखंड राज्य को बने 24 वर्ष हो चुके हैं लेकिन पहाड़ों की100 हेक्टेयर भूमि बंजर हो चुकी है।बाहरी व्यक्ति वहां बस रहे हैं।
इसलिए वहां मनरेगा के माध्यम से खेती और बागवानी को बढ़ावा देने पर बल दिया जाना चाहिए।
प्रेरणा और गौरवशाली इतिहास : क्षेत्र के ऐतिहासिक महत्व और प्रसिद्ध व्यक्तियों जसवंत सिंह, मेहरबान सिंह कंडारी, तीलू रौतेली, जयानंद भारतीय,भक्त दर्शन के क्षेत्र को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।
नई पीढ़ी और मातृ शक्ति से इस अभियान में जुड़ने की अपील की गई है।
समिति के योगदान और सम्मान इस बैठक में समिति को दान देने वाले सदस्यों का माल्यार्पण किया गया है।
प्रमुख दानदाताओं में पान सिंह बिष्ट,मोहन सिंह कंडारी, डॉ अरुण प्रकाश ढौंढियाल, कर्नल सूरजपाल सिंह नेगी, महेंद्र प्रसाद जुयाल, हरिमोहन सिंह रावत ,मोहन बहुखंडी, महिपाल सिंह कंडारी , प्रेम सिंह रावत आदि शामिल थे।
आगे की योजनाएं
इस बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि आवश्यक हुआ, तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, गांवों की ओर लौटने और एकजुटता बनाए रखने का आह्वान किया गया।मंच संचालन भूपेंद्र सिंह रावत और मोहन सिंह कंडारी ने किया इस अवसर पर बेलम सिंह रावत, विक्रम सिंह बिष्ट, सोहन सिंह बिष्ट, आलम सिंह रावत, बलवंत सिंह रावत, सुनीता बिष्ट, शिवानी बौड़ाई, अचला रावत, सरोजिनी देवी, भूपेंद्र बिष्ट, राजेंद्र रावत,विक्रम बिष्ट,भोपाल सिंह रावत, अर्जुन पटवाल आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।
इसके पश्चात समिति का वार्षिक चुनाव किया गया यह चुनाव तीन वर्ष के लिए मान्य होगा ।
जिसमें सर्वसम्मति से श्री पान सिंह बिष्ट- संयोजक ,डॉक्टर अरुण प्रकाश ढौंडियाल -अध्यक्ष,
मोहन सिंह कंडारी- महासचिव, महिपाल सिंह कंडारी- उपाध्यक्ष ,मोहन बहुखंडी- उपाध्यक्ष, भूपेंद्र सिंह रावत - सचिव, विक्रम सिंह बिष्ट-कोषाध्यक्ष ,आलम सिंह रावत-प्रचार सचिव तथा सदस्यों में सुनीता बिष्ट, शिवानी बौड़ाई ,सावित्री बिष्ट ,भूपेंद्र सिंह बिष्ट, प्रेम सिंह रावत, सतीश बौड़ाई ,राजेंद्र सिंह रावत, कैलाश मधवाल, सुरेंद्र नौटियाल आदि, विशेष आमंत्रित सदस्यों में दिनेश रावत ,चंद्रपाल सिंह बिष्ट,महेंद्र प्रसाद जुयाल और यशपाल तोमर ।

पुरे जिले में प्लैग मार्च निकाला गया

दैनिक बिहार पत्रिका

गया। संध्या में *वरीय पुलिस अधीक्षक आशिष भारती गया के निर्देशानुसार, अपर पुलिस अधीक्षक, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, अंचल निरीक्षक एवं थानाध्यक्षों के नेतृत्व में पूरे जिले भर में बेहतर विधि व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक व्यापक फ्लैग मार्च आयोजित किया गया है। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने स्थानीय लोगों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित किया, जिससे शांति और सुरक्षा के प्रति उनकी भावना और अधिक मजबूत हुई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्थानीय लोगों और पुलिस प्रशासन के बीच विश्वास और सहयोग को बढ़ावा देना था।

किसानो कि बुलंद आवाज थे चौधरी चरण सिंह

किसान दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता। उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुखः दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना

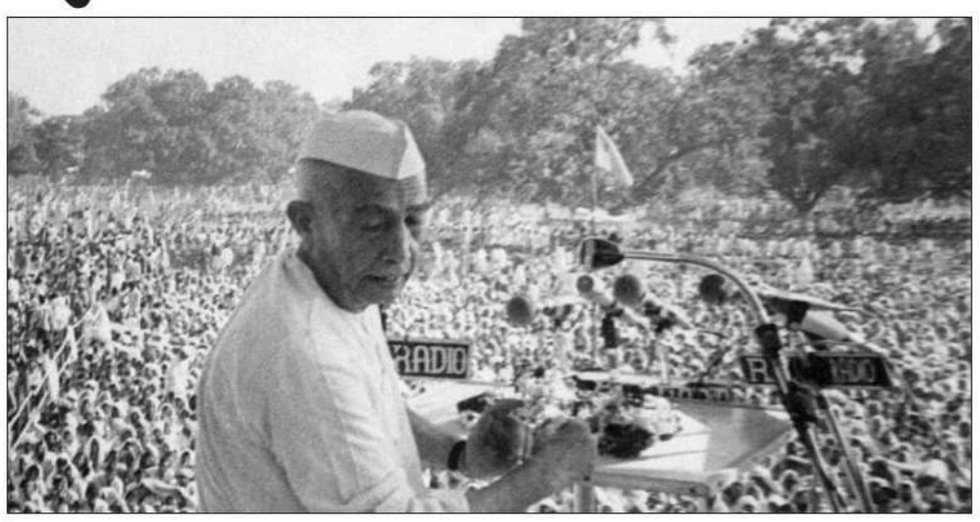

धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितो, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानो के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूणानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानो में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानो को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्वारा किसानो के हित में किये गये कायों को देखते हुये वर्षों पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

संपादकीय

अधिकारों की धज्जियां

कानून के सख्त प्रावधान महिलाओं की भलाई के लिए हैं, न कि उनके पतियों को दंडित करने, धमकाने या उन पर हावी होने या जबरन वसूली के लिए हैं। सुप्रीम कोर्ट का यह कहना है। हिन्दू विवाह को पवित्र प्रथा व परिवार की नींव बताते हुए पीठ ने कहा यह कोई व्यावसायिक समझौता नहीं है। अदालत ने हाल के दिनों में वैवाहिक विवादों से जुड़ी ज्यादातर शिकायतों में दहेज उत्पीड़न, दुष्कर्म, अप्राकृतिक यौन संबंध व आपराधिक धमकी जैसे अपराधों को शामिल करने की बात भी की। साथ ही कहा यह ऐसी प्रथा है, जिसकी अदालत कई मौकों पर निंदा भी कर चुकी है। पीठ ने महिलाओं को सावधान रहने की बात करते करते हुए सलाह दी कि आपराधिक कानून के प्रावधान महिलाओं की सुरक्षा व सशक्तिकरण के लिए हैं, लेकिन कुछ महिलाएं इनका गलत उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करती हैं। पीठ वैवाहिक विवाद से जुड़े मामले को निपटाते हुए कहा, भरण-पोषण कई कारकों पर निर्भर करेगा, न कि पति अपनी पूर्व पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता कितना दे या उसकी आय कितनी है। सुकून वाली बात यह भी है कि इस मामले में अदालत ने पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए। पुलिस के साथ ही वकील भी अपराध की गंभीरता को बढ़ाने और मामले को भीषण दिखाने के लोभ में अनर्गल आरोप मढ़ने से नहीं चूकते। उक्त मामले में पति अतिसंपन्न की श्रेणी में है। इसलिए बीवी उसकी आर्थिक स्थिति के अनुरूप गुजारा-भत्ता पाने का दावा कर रही है। जैसा कि अभी मोटा गुजारा भत्ता मांगने व तलाक के लिए अदालती चक्कर काटने से आजिज आकर बंगलुरु के इंजीनियर की आत्महत्या के बाद लोग काफी गुस्से में हैं। स्थापित कानूनों की आड़ में विवाह जैसे पवित्र बंधन को वसूली का जरिया बनाने की मंशा वालों को सिर्फ हिदायतें ही नहीं दी जानी चाहिए। उनके सलाहकारों, वकीलों व पुलिस के प्रति भी अदालतों को सख्त रवैया अख्तियार करना होगा। गुजरा-भत्ता वसूली का जरिया नहीं है, यह विवाहिताओं को समझना चाहिए। उन्हें समय रहते अपने स्वाभिमान के साथ ही बमुश्किल मिले इन अधिकारों की धज्जियां उड़ाने से बाज आना चाहिए। वरना वास्तव में मजबूर/पीड़ित पत्नियों को न्याय मिलना मुश्किल हो सकता है।

चिंतन-मनन

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्रायः हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति, अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं, जो समयशून्य क्षण होते हैं।

ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है, लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो, इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्त्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो।

ईश्वर या दैव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो, तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिन्ताजनक

ललित गर्ग

संविधान-निमार्ता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मयार्दा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मयार्दा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मयार्दाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मयार्दाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है।

सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकल्पित हो।

शीतकालीन सत्र में आंबेडकर के नाम पर संसद के भीतर-बाहर जो कुछ हो रहा है, उससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल संसद की गरिमा से जानबूझकर खिलवाड़ करने पर तूले है। यह मानना अविश्वसनीय है कि यह धक्का-मुक्की अनजाने में हुई। राहुल गांधी आक्रामक ढंग से एक महिला सांसद के निकट जाकर उन्हें असहज करना तो बहुत ही शर्मनाक एवं कहीं अधिक फूहड़ है। पता नहीं किसके आरोपों में कितनी सच्चाई है, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि उक्त घटना संसद ही नहीं, देश को भी शर्मिंदा करने वाली है। राजनीति का स्तर इतना नहीं गिरना चाहिए कि वह मयार्दा से विहीन दिखने लगे। ऐसी राजनीति केवल धिक्कार की पात्र होती है। संसद की मयार्दा को तार-तार करने वाली ऐसी घटनाएं सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच बढ़ती कटुता का ही नतीजा है, जो देश के हित में नहीं है। पक्ष-विपक्ष के बीच बढ़ती शत्रुता न केवल भारतीय राजनीति बल्कि लोकतंत्र के लिए भी खतरनाक हैं।

दोनों पक्षों के बीच शत्रु भाव कम होने के कोई आसार इसलिए नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि ऐसे मुद्दे सतह पर लाए जा रहे हैं, जिनका कोई औचित्य नहीं बनता और जिनका मकसद लोगों को बरगलाना एवं गुमराह करना है। बीते कुछ समय से यह जो भय का भूत खड़ा किया जा रहा है कि संविधान खतरे में है, वह राजनीति के छिछले स्तर का ही परिचायक है। कोई बताये तो संविधान कब और कैसे खतरे में आ गया। संसद में ऐसे विषयों को लेकर सार्थक एवं सौहार्दपूर्ण संवाद हो, वाद-विवाद की जगह कटुता न ले, विमर्श और विचार की गंभीरता से ही लोकतंत्र की शक्ति बढ़ेगी। दलगत पसंद और नापसंद स्वाभाविक है, किंतु उससे ऊपर उठकर रचनात्मक भूमिका निभाने का साहस भी जरूरी है।

वर्ष 2024 मानव त्रासदी का रहा

डॉ. दिलीप चौबे

वर्ष 2024 हिंसा, रक्तपात और मानवीय त्रासदी का रहा। दुनिया में पहले भी संघर्ष और युद्ध होते रहे हैं, लेकिन इस वर्ष बच्चों और महिलाओं सहित निर्दोष नागरिकों की हत्या का जो तांडव हुआ वह पहले कभी देखने को नहीं मिला था। फिलिस्तीन में पूरे गाजा को खंडहर में तब्दील कर दिया गया और लेबनान की राजधानी बेरुत में अंधाधुंध बमबारी की गई। पूरी दुनिया संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं तमाशा देखती रहीं। इस्राइल पर हमास के हमले के जवाब में इस्राइल ने जो सैनिक कार्रवाई की उसे आत्मरक्षा की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। भारत के खिलाफ पाकिस्तान ने जिस तरह की आतंकवादी वारदात को अंजाम दिया उसके जवाब में प्रतिशोध की ऐसी कार्रवाई कभी नहीं की गई। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले में केवल आतंकवादी अड्डों को निशाना बनाया गया था। दूसरी ओर इस्राइल ने गाजा में मनमाने तरीके से नरसंहार किया और अमेरिका सहित पश्चिमी देशों ने उसे समर्थन और सहयोग दिया। इतिहास में इसे वियतनाम जैसी मानवीय त्रासदी के रूप में दर्ज किया जाएगा। संघर्ष के दूसरे मोर्चे यूक्रेन में हालात अनिश्चित हैं, लेकिन यह आशा बनती है कि अगले साल युद्ध विराम हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने के बाद रूस और यूक्रेन वार्ता की मेज पर लौट सकते हैं, लेकिन नये प्रशासन के कायम होने में अभी एक महीने का समय है। यूक्रेन और अमेरिका में युद्ध पर आमादा कुछ ऐसी ताकते हैं जो इस अवधि में कोई दुस्साहस कर सकती हैं। अभी हाल में यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों ने मास्को में एक वरिष्ठ रूसी जनरल की हत्या कर दी। इसके बावजूद रूस ने यूक्रेन के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। अगले 30 दिनों में यूक्रेन की ओर से किसी नई वारदात को अंजाम दिए जाने की पूरी आशंका है। डोनाल्ड ट्रंप अपने चुनाव अभियान के दौरान यह ऐलान कर चुके हैं कि वह 24 घंटे के अंदर यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्त करा देंगे। यह काम आसान नहीं है, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को यदि इस बात का स्पष्ट आभास हो जाए कि अब उन्हें पश्चिमी देशों का समर्थन नहीं मिलेगा तो वह वार्ता की मेज पर आ सकते हैं। रूस युद्ध में हासिल किए गए यूक्रेनी भू-भाग किस सीमा तक और किस शर्त पर खाली करता है, यह वार्ता पर निर्भर है। वर्ष 2024 में दो लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष सरकारों का पतन हुआ। बांग्लादेश में छात्रों को मोहरा बनाकर इस्लामी कट्टरपंथियों ने शेख हसीना की सरकार को बेदखल कर दिया। अमेरिका और यूरोपीय देशों ने पूरे घटनाक्रम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा अपने पसंदीदा मोहम्मद युनूस को प्रशासक पद पर काबिज करा दिया। कहने के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता युनूस एक उदारवादी और लोकतंत्र समर्थक शख्सियत हैं, लेकिन बांग्लादेश में आज उनकी भूमिका एक कठपुतली जैसी है जो इस्लामी कट्टरपंथियों और सेना के इशारे पर नाच रही है। बांग्लादेश में यदि आगामी दिनों में कोई सकारात्मक बदलाव नहीं आया तो वहां की भावी पीढ़ियां पाकिस्तान सेना के अत्याचार और अपने मुक्ति संघर्ष के इतिहास को भूल जाएगी।

पश्चिम एशिया में सीरिया में एक दूसरी धर्मनिरपेक्ष सरकार का पतन हुआ। इतना ही नहीं एक संगठित देश के रूप में सीरिया का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया। बांग्लादेश और सीरिया के घटनाक्रम में काफी समानता है। क्षेत्रीय राजनीति की दृष्टि से सीरिया का घटनाक्रम इस्लामी जगत में शियाझसुन्नी वैमनस्य और शक्ति संघर्ष को उजागर करता है। यह आने वाले दिनों में ईरान और इस्राइल ही नहीं बल्कि पड़ोसी सुन्नी देश के साथ संघर्ष में भी तब्दील हो सकता है।

वर्ष 2024 में भारत की विदेश नीति अपनी संतुलनकारी नीतियों के जरिए राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा में सफल रही। साल के अंतिम महीने में भारत और चीन संबंध पटरी पर आते नजर आए। अगले साल के प्रारंभ में ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारतीय यात्रा से दोनों देशों के परंपरागत संबंधों में नई गति आने की संभावना है। विश्व राजनीति नये साल में क्या रूप लेती है, यह बहुत कुछ अमेरिका के ट्रंप प्रशासन पर निर्भर करेगा। दुनिया में नई शक्ति केंद्र उभरने के बावजूद यह हकीकत है कि अमेरिका फिलहाल दुनिया में युद्ध या शांति की दृष्टि से मुख्य ताकत है।

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्त्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

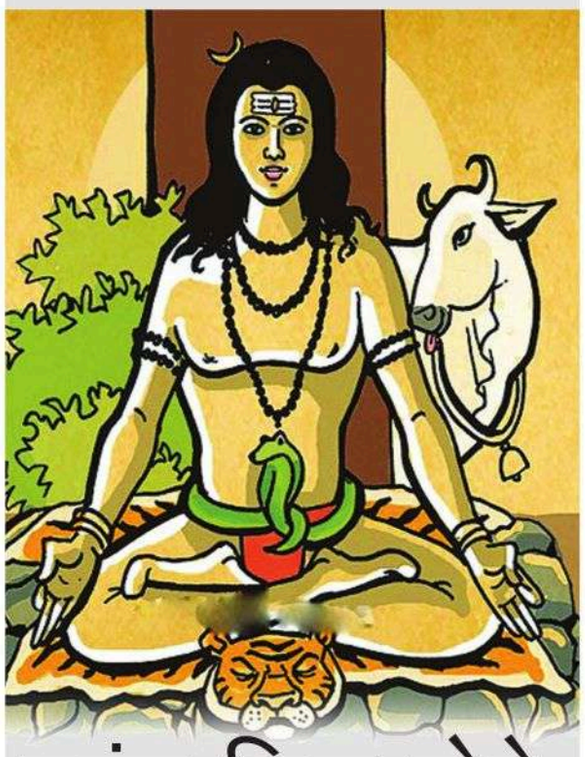

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो।

साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मेलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

विजय सेतुपति को लेकर थ्रिलर फिल्म बनाने जा रहे हैं एटली

शाहरुख खान को लेकर ब्लॉक बस्टर जवान बनाने वाले निर्माता निर्देशक एटली इन दिनों अपनी अगली फिल्म बेबी जॉन को लेकर खासी चर्चाओं में हैं। यह फिल्म आगामी सप्ताह क्रिसमिस के मौके पर प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म में वरुण धवन जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। अब निर्माता एटली और मुराद खेतानी ने अपने अगले प्रोजेक्ट की घोषणा की है, जो कि एक तमिल थ्रिलर फिल्म होगी जिसमें विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में हैं। दोनों ने एक बार फिर साथ काम किया है, इस बार एक मनोरंजक कहानी के लिए जो अभिनेता की बहुमुखी प्रतिभा को उनके स्टार पावर के साथ मिलाने का वादा करती है। प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि अभी तक बिना शीर्षक वाली यह फिल्म 2025 की पहली तिमाही में फ्लोर पर आएगी, जिसे साल के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना है। रिपोर्ट में एक सूत्र ने बताया, फिल्म का विषय शानदार है और इसमें शामिल सभी लोग प्रोडक्शन शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। यह थ्रिलर एक अभिनेता और एक स्टार दोनों के रूप में विजय सेतुपति के कद के साथ न्याय करेगी। मुराद खेतानी ने पोर्टल के साथ एक विशेष साक्षात्कार में सहयोग की पुष्टि की। उन्होंने कहा, पाइपलाइन में कई प्रोजेक्ट हैं, लेकिन एक फिल्म को लॉक कर दिया गया है। एटली सर और मैं एक तमिल फिल्म शुरू कर रहे हैं, जो बहुत जल्द फ्लोर पर जाएगी। हम जल्द ही अधिक जानकारी साझा करेंगे। इसके अलावा, एटली ने इस प्रोजेक्ट के लिए अपना उत्साह साझा करते हुए कहा- हां, यह विजय सेतुपति सर के साथ एक फिल्म है। यह एक शानदार कहानी है जिस पर मुराद सर और मैं पिछले दो सालों से काम कर रहे हैं। यह सिने1 और ए फॉर एप्पल की अगली धमाकेदार फिल्म है। यह घोषणा बेबी जॉन की रिलीज से ठीक पहले की गई है, जिसे एटली, मुराद खेतानी और जियो स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है।

कभी भोली पंजाबन तो कभी बनीं लज्जो, ऋचा के किरदारों ने जीता दिल

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई अभिनेत्रियों का बोलबाला है, जिनमें कुछ स्टारकिड्स भी हैं। इन सबके बीच एक ऐसी अभिनेत्री ऋचा चड्ढा भी हैं, जिसने न केवल इंडस्ट्री में कदम रखा, बल्कि आउटसाइडर होकर भी कई स्टार किड्स से आगे निकल गईं। उनमें खास बात यह रही कि उन्होंने खुद को फिल्मों में केवल एक ही तरह के किरदार में नहीं ढाला, बल्कि डेब्यू फिल्म से लेकर करियर की कई फिल्मों में अलग-अलग किरदार में खुद को बखूबी उतारा। उन्होंने कभी नगमा बेगम बन दमदार अदाकारी दिखाई तो कभी लज्जो बन अदाएं।

मसान में देवी

नीरज घेवन निर्देशित फिल्म मसान कई मायनों में मील का पत्थर साबित हुई। वाराणसी की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म जाति और वर्ग से परे मानवीय रिश्तों के बारे में बताती है। फिल्म में ऋचा चड्ढा ने देवी की भूमिका निभाई है, जो एक कंप्यूटर ट्रेनिंग की टीचर है, जो एक घटिया होटल में अपने प्रेमी के साथ इंटीमेट होते समय पुलिस छापे का शिकार बन जाती है। ऋचा चड्ढा ने एक सीधी-सादी और चुलबुली मध्यमवर्गीय लड़की की भूमिका निभाई, जो साथियों से बदतमीजी और वर्दीधारी पुरुषों से लगातार ब्लैकमेलिंग का सामना करती है, लेकिन फिर भी अपने सिर को ऊंचा रखती है।

गैंग्स ऑफ वासेपुर में नगमा खातून

अनुराग कश्यप की गैंग्स ऑफ वासेपुर फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर हिट रही। ऋचा चड्ढा को भी इस फिल्म से खास पहचान मिली। ऋचा चड्ढा ने गैंगस्टर सरदार खान (मनोज बाजपेयी) की जिद्दी पत्नी नगमा खातून खान की भूमिका निभाई। ऋचा चड्ढा ने एक अधिकार जताने वाली पत्नी के रूप में शानदार अभिनय किया है। इस किरदार से वह खूब मशहूर हुईं।

फुकरे में भोली पंजाबन

ऋचा चड्ढा के करियर को फुकरे सीरीज और फिल्म ने ऊंचाई पर पहुंचाया, जिसमें उन्होंने भोली पंजाबन का किरदार निभाया था। भोली पंजाबन के रूप में ऋचा चड्ढा ने शानदार अभिनय किया है। वह एक तीखी, उग्र और भोली-भाली स्थानीय डॉन है। वह फुकरे की विरोधी है। यह फिल्म निकम्मे दोस्तों हनी, चूचा, लाली और जफर (पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा , नवजोत सिंह और अली फजल) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जल्दी अमीर बनने की योजना बनाते हैं। यह उन्हें भोली पंजाबन के अड्डे तक ले जाता है। भोली इस योजना का हिस्सा बनने के लिए तुरंत तैयार हो जाती है, लेकिन जब योजना विफल हो जाती है और वे सभी पैसे खो देते हैं तो चीजें गड़बड़ा जाती हैं। ऋचा चड्ढा ने एक गुस्सैल लेडी-डॉन की भूमिका निभाई है, जो अपना पैसा वापस पाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ती।

सरबजीत में सुखप्रीत कौर

सरबजीत में ऋचा चड्ढा की मुख्य भूमिका नहीं थी, लेकिन फिर भी उन्होंने कुछ दृश्यों से दर्शकों का दिल जीता। फिल्म में उन्होंने सरबजीत सिंह अटवाल (रणदीप हुड्डा) की समर्पित पत्नी सुखप्रीत कौर का किरदार निभाया था। जब भारतीय नागरिक सरबजीत गलती से नशे की हालत में भारत-पाक सीमा पार कर जाता है, तब उस पर पाकिस्तान सरकार द्वारा भारतीय जासूस होने का गलत आरोप लगाया जाता है। फिल्म में सरबजीत की पत्नी बन ऋचा परिवार का स्तंभ और ताकत बनने की कोशिश करती हैं।

हीरामंडी में लज्जो

फुकरे की तरह हीरामंडी भी ऋचा चड्ढा के करियर के लिए मील का पत्थर साबित हुई। संजय लीला भंसाली की डेब्यू सीरीज में ऋचा ने लज्जो की भूमिका निभाई थी। यह सीरीज 1920 से 1940 के दशक के लाहौर के रेड-लाइट एरिया हीरामंडी में वेश्याओं के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज में लज्जो ने कम स्क्रीन टाइमिंग में भी महफिल लूट ली थी और वह अपने छोटे किरदार से अन्य अभिनेत्रियों पर भारी पड़ गईं।

बड़े मियां छोटे मियां को कर पछता रही हैं अलाया?

अलाया एफ बॉलीवुड में डेब्यू कर चुकी हैं, हालांकि, उनकी फिल्में फ्लॉप लिस्ट का हिस्सा बन रही हैं। बड़े मियां छोटे मियां की असफलता के बाद अलाया के करियर को तगड़ा झटका लगा है। हालांकि, अब लग रहा है कि अलाया एफ इस फिल्म को कर के काफी निराश हैं। अलाया ने बड़े मियां छोटे मियां फिल्म को एक नई सीख के रूप में लिया है। अलाया ने कहा कि अब वह अपना कुछ समय फिल्में चुनने में निकालेंगी और करियर को फिर से पटरी पर लाएंगी। अलाया अब अपनी आगामी फिल्मों को लेकर काफी व्यस्त चल रही हैं।

'इंस्पेक्टर जेंदे' में मुख्य भूमिका निभाएंगे मनोज बाजपेयी

'द फैमिली मैन सीजन 3' के बाद मनोज बाजपेयी एक बार फिर पुलिसवाले के किरदार में नजर आने को तैयार हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता नेटफ्लिक्स की आगामी फिल्म में नजर आ सकते हैं। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' नाम की फिल्म बनाना चाहती है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में होंगे। उनके साथ अभिनेता जिम सर्भ भी नजर आएंगे। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म से जुड़ी जानकारियों अभी गुप्त हैं और इस परियोजना पर अभिनेता ने साइन कर दिया है और अगले साल से इस पर काम शुरू होगा। पीपिंग मून के मुताबिक मनोज बाजपेयी, जो फिल्मों और वेब-सीरीज के कई शेड्यूल में व्यस्त हैं, अगले महीने यानी जनवरी से नेटफ्लिक्स ड्रामा पर काम शुरू करेंगे। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि फिल्म की टीम ने पहले ही फिल्म पर काम शुरू कर दिया है, जिसे मुंबई में एक ही शेड्यूल में शूट किया जाएगा और फरवरी तक यह शूट चलेगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरभ और अन्य लोग पहले ही शूटिंग में शामिल हो चुके हैं, जबकि बाजपेयी अपने शेड्यूल को देखते हुए 5 जनवरी को उनके साथ जुड़ेंगे।

एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी

रिपोर्ट्स में बताया गया कि इस फिल्म में ना केवल बाजपेयी मुख्य भूमिका में होंगे, बल्कि यह एक एक्शन कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें एक्शन, कॉमेडी और सस्पेंस एक साथ होंगे। हालांकि, बाकी कलाकारों को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसके अलावा कहा जा रहा है कि फिल्म का निर्माण जय शेवक्रमणि द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने कार्तिक आर्यन अभिनीत 'फेडी' और करीना कपूर खान अभिनीत 'जाने जां' जैसी फिल्में बनाई हैं।

विधु विनोद चोपड़ा लिख रहे हैं दो बड़ी फिल्मों का सीक्वल

विधु विनोद चोपड़ा पिछले साल फिल्म '12वीं फेल' से दर्शकों को इमोशनल करने में कामयाब रहे थे। उन्होंने इस फिल्म का निर्देशन किया, साथ ही फिल्म को प्रोड्यूस भी किया। इस फिल्म के राइटर भी विधु विनोद चोपड़ा ही थे। हाल ही में उन्होंने बताया कि वह अपनी ही दो बड़ी हिट फिल्मों का सीक्वल लिख रहे हैं।

कौन सी है दो बड़ी फिल्में

हाल ही में एक इंटरव्यू में विधु विनोद चोपड़ा ने दो बड़ी फिल्मों के सीक्वल को लेकर खुलासा किया। वह बताते हैं, 'हां, मैं 3 इडियट्स का दूसरा पार्ट और 'मुन्ना भाई 3 लिख रहा हूं।' इन फिल्मों का इंतजार दर्शकों को लंबे समय से है।

फिल्मों की है बड़ी फैन फॉलोइंग

'3 इडियट्स' और 'मुन्ना भाई' सीरीज की फिल्मों की अपनी अलग ही फैन फॉलोइंग है। इन फिल्मों ने दर्शकों जहां खूब हंसाया है, वहीं उनकी जिंदगी पर भी पॉजिटिव असर डाला है। '3 इडियट्स' में आमिर खान मुख्य भूमिका में थे, वहीं 'मुन्ना भाई' में संजय दत्त ने मुख्य भूमिका निभाई थी। दोनों ही कलाकारों ने इन फिल्मों में ऐसे किरदार निभाए जो सिनेमा जगत में हमेशा याद रखे जाएंगे। '3 इडियट्स' में आमिर के किरदार रैंचो से कई लोग इंस्पायर हुए थे। वहीं 'मुन्ना भाई' सीरीज की फिल्मों में भी दर्शकों के लिए कोई ना कोई संदेश होता है।

हॉरर कॉमेडी भी बनाएंगे

'3 इडियट्स' का दूसरा पार्ट और 'मुन्ना भाई 3' के अलावा भी विधु विनोद चोपड़ा एक हॉरर-कॉमेडी भी बनाने वाले हैं। इस फिल्म को लेकर अभी उन्होंने ज्यादा डिटेल शेयर नहीं की हैं।

12वीं फेल के बाद बढ़ी गई उम्मीद

विधु विनोद चोपड़ा निर्देशित पिछले साल रिलीज हुई फिल्म '12वीं फेल' दर्शकों को काफी पसंद आई थी।इस फिल्म ने लोगों को बहुत मोटिवेट किया। फिल्म में एक गांव के गरीब लड़के की आईपीएस बनने की कहानी को दिखाया गया था। फिल्म में विक्रांत मैसी ने मुख्य भूमिका निभाई थी। 2019 में यह बहुत बड़ी हिट हुई थी। ऐसे में दर्शकों की उम्मीदें थोड़ी बढ़ जाती है। हमारे सामने भी बेटर परफॉर्मेंस का प्रेशर हमेशा रहता है। इसलिए यह किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता है।

टिमोन की वजह से 'पुष्पा पार्ट वन' मिला था

'द लॉयन किंग' से श्रेयस तलपडे ने प्रोफेशनल तरीके से डबिंग की दुनिया में कदम रखा था। वह कहते हैं- डबिंग की दुनिया में एक कलाकार के तौर पर टिमोन की डबिंग मेरा पहला प्रयोग था। इस फिल्म के टिमोन किरदार की वजह से ही मुझे 'पुष्पा पार्ट वन' में डबिंग करने का मौका मिला था और फिर 'पुष्पा पार्ट टू' मिली थी।

डबिंग अब पैरेलल इंडस्ट्री बन गई है

क्षेत्रीय फिल्मों की वजह से अब डबिंग पैरेलल इंडस्ट्री बन गई है। श्रेयस तलपडे कहते हैं- बेसिकली डबिंग भी एक आर्ट है। इसको भी एक सम्मानित जगह मिलनी ही थी। आज क्षेत्रीय फिल्में पैन इंडिया स्तर पर रिलीज हो रही हैं। इसका फायदा डबिंग कलाकारों को मिल रहा है। डबिंग कलाकारों का सम्मान बढ़ा है और लोग उन्हें उनके नाम से जानने लगे हैं। अब यह इंडस्ट्री भी तेजी से बढ़ रही है। इकबाल दिल के बहुत करीब है, मिस करता हूं

सोचा नहीं था कमर्शियल फिल्म में मौका मिलेगा

फिल्म 'इकबाल' से जुड़ा एक किस्सा शेयर करते हुए श्रेयस ने कहा- गोवा फिल्म फेस्टिवल में 'इकबाल' दिखाई जा रही थी। तभी सुभाष घई जी का फोन आया कि संगीत सिवन एक फिल्म 'अपना सपना मनी मनी' बना रहे हैं, गोवा से आते ही उनसे मिल लेना।

सुभाष घई बोले- तो क्या उम्र भर इकबाल ही करता रहेगा

श्रेयस तलपडे को उम्मीद नहीं थी कि 'इकबाल' के तुरंत बात उन्हें कमर्शियल फिल्म में काम करने मौका मिलेगा। वह कहते हैं- 'अपना सपना मनी मनी' का नाम सुनते ही मैंने सोचा कि यह तो कमर्शियल फिल्म है। मन की बात जब सुभाष घई जी से शेयर की। वे बोले- तो क्या उम्र भर 'इकबाल' ही करता रहेगा, कमर्शियल फिल्म नहीं करेगा। मैंने कहा कि कभी सोचा नहीं था कि कमर्शियल फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा।

सोचा नहीं था कमर्शियल सिनेमा का हिस्सा बनूंगा

इंडियन सिनेमा के सबसे लोकप्रिय किरदार 'पुष्प राज' की आवाज बन चुके श्रेयस तलपदे की 'पुष्पा 2' के बाद दूसरी फिल्म 'मुफासा- द लॉयन किंग' रिलीज हो रही है। इस फिल्म में एक्टर ने टिमोन के किरदार की डबिंग की है। हाल ही में श्रेयस तलपडे ने इस फिल्म को लेकर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी फिल्म 'इकबाल' को लेकर कुछ खास यादें शेयर करते हुए कहा कि इस फिल्म को करते समय कमर्शियल सिनेमा के बारे में नहीं सोचा था।

मुफासा- द लॉयन किंग' के हिंदी वर्जन में शाहरुख खान और उनके बेटों की आवाज सुनने को मिलेगी। शाहरुख खान ने इस फिल्म के मुख्य किरदार मुफासा, आर्यन खान ने सिंबा और अबराम ने छोटे मुफासा की डबिंग की है। एक तरह से देखा जाए तो यह शाहरुख खान की फैमिली फिल्म हो गई है। श्रेयस तलपडे ने इस फिल्म में टिमोन के किरदार की डबिंग की है। वह कहते हैं- हम तो बहुत बड़े शाहरुख खान के फैन हैं। इस फिल्म से जुड़कर बहुत खुशी हुई।

एनिमेटेड करेक्टर की डबिंग बिल्कुल ही अलग होती है

श्रेयस तलपडे मानते है कि एनिमेटेड करेक्टर की डबिंग बिल्कुल ही अलग होती है। वह कहते हैं- ओरिजिनल करेक्टर के सुर को पकड़कर अपने अंदाज और अपनी भाषा में डबिंग करनी पड़ती है। सबको भाषा समझ में आए, इसका भी ध्यान देना पड़ता है। टिमोन को हिंदी में मयूर पुरी ने सहज भाषा में लिखा है, लेकिन उसमें अपनी तरफ से भी कुछ वाक्य ऐसे जोड़ने पड़े, जिसे हिंदी दर्शक आसानी से समझ सके। हमने ऐसी कोशिश की है कि डायलॉग असरदार तरीके से लोगों तक पहुंचे।

बेटर परफॉर्मेंस का प्रेशर हमेशा रहता है

श्रेयस तलपडे कहते हैं- 'द लॉयन किंग' में टिमोन के किरदार की डबिंग कर चुका था। किरदार के बारे में तो मुझे पता था।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267